MISC

Indo-Caribbean International Conference Held At I.T.S College Of Pharmacy

On **Feb 18, 2025**

Share

I.T.S College of Pharmacy in collaboration with APP West Indies International Branch organized an Indo-Caribbean International Conference on "Trends and Challenges in Drug Design, Discovery and Pharmaceutical Sciences" on 15th February, 2025.

आईटीएस कॉलेज में किया गया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मुरादनगर। आई.टी.एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में कॉलेज ऑफ फार्मेसी प्रोफेशनल्स एसोसिएशन, दिल्ली, एन.सी.टी शाखा, ए.पी.पी वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा तथा ए.पी.पी फार्मा एण्ड हैल्थकेयर मैनेजमेंट डिवीजन के सहयोग से "ड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साईसेज में रुझान और चुनोतियाँ" नामक शीर्षक पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथिगण और सुरेन्द्र सूद डारेक्टर- पी.आर, आई.टी.एस-दि एजुकेशन ग्रुप, डॉ. एस. सदीश कुमार निदेशक, डॉ. राजकुमारी डीन, आई.टी.एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया।

डॉ. एस सूद ने कहा कि इस कार्यक्रम मे छात्रों को दवा डिजाइन और खोज के नैदानिक पहलुओं पर ज्ञानवर्धन होगा। डॉ. एस सदीश कुमार ने सभी डेलिगेट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कॉन्फ्रेंस ड्रग्स डिस्कवरी और डवलपमेन्ट को जोड़ने का कार्य करेगी तथा ड्रग्स डिजाइन के क्षेत्र मे छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करेगी। उद्घाटन सत्र के दौरान प्रो. राजीव दहिया, चिकित्सा विज्ञान संकाय, वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय, सेंट ऑगस्टीन, ट्रिनिडाड और टोबैगो ने बताया कि साइक्लो पैपटाइड को एंटिकेंसर, एंटिमलेरिया, एंटीबैक्टीरियल, एंटिवाइरल के रूप में प्रयोग कर सकते है तथा यह शिक्षा अनुसंधान व फार्मास्यूटिकल कंपनियों के लिए एक आकर्षक क्षेत्र है। डॉ. सिमोन फे वालकॉट, सह-संयोजक एवं उपाध्यक्ष, एपीपी वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य फार्मास्यूटिकल के क्षेत्र मे भारत व कैरिबियन देशों के मध्य शैक्षिक व औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करना है। प्रो. अजय शर्मा, फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमेस्ट्री विभाग, फार्मास्युटिकल साईसेज स्कूल, दिल्ली फार्मास्यूटिकल साईसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली ने औषधीय पौधों के पदार्थो की गुणवत्ता नियंत्रण व मानकीकरण के बारे में बताया तथा उन्होंने कहा कि हर्बल तकनीक पारंपरिक औषधियों व आधुनिक फार्मास्यूटिकल के मध्य एक पुल की भांति कार्य करता है। आज पूरे संसार को हर्बल उत्पादों को स्वीकार करने की जरूरत है।

प्रो. ज्योति श्रीवास्तव, फार्मेसी संकाय, स्वास्थ्य देखभाल और संबद्ध विज्ञान स्कूल, जी.डी. गोयनका विश्व. विद्यालय, सोहना, गुरुग्राम, हरियाणा ने ए एस.एम आर. का अल्जाइमर, न्यूरोट्रांसमीटर डिसऑर्डर पर पडने वाले प्रभाव के बारे में बताया। सम्मेलन में देश - विदेश जैसे इथोपिया, वेस्ट इंडीज - कैरिबियन देशों के 900 से अधिक छात्रों व डेलीगेट्स ने भाग लिया तथा 300 से अधिक रिसर्च पेपर प्रदर्शित हुए। इस अवसर पर डॉ. आर. पी चड्ढा, चेयरमैन व अर्पित चड्ढा, वाइस-चेयरमैन, आई.टी.एस-दि एजुकेशन ग्रुप ने कॉन्फ्रेंस मे भाग लेने वाले सभी छात्रों व डेलीगेट्स को उनके अनुसंधान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस से छात्रों व शिक्षकों को ड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साईसेज में रुझान और चुनौतियों की जानकारी प्राप्त हुई।

के जवानों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

सूझबूझ और हिम्मत ने उसे इस दरिंदगी का शिकार होने से बचा रास्ते में गांव का ही एक 45 वर्षीय व्यक्ति उसे जबरन अपने घर ले गया। दिखाते हुए न केवल अपना हाथ छुड़ाया बल्कि शोर भी मचा दिया। दर्ज कर ली है और आरोपी की तलाश में जुट गई है।

आयोजन | आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में अंतर्राष्ट्रीय शाखा के सहयोग से

'ड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में रुझान और चु

हैल्थकेयर

- ड्रग्स डिजाइन के क्षेत्र मे छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करेगी
- छात्रों को दवा डिजाइन और खोज के नैदानिक पहलुओं पर ज्ञानवर्धन होगा

संवाददाता (आप अभी तक)

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुरादनगर में कॉलेज ऑफ फार्मेसी प्रोफेशनल्स एसोसिएशन, दिल्ली, एनसीटी शाखा, एपीपी वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा तथा एपीपी फार्मा एण्ड हैल्थकेयर मैनेजमेंट डिवीजन के सहयोग से "ड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में रुझान और चुनोतियां" नामक शीर्षक पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथिगण और सुरेन्द्र सूद डारेक्टर- पीआर, आईटीएस-दि एजुकेशन ग्रुप, डॉ. एस सदीश कुमार निदेशक, डॉ. राजकुमारी डीन, आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेसी के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। डॉ. एस सूद ने कहा कि इस कार्यक्रम मे छात्रों को दवा डिजाइन और खोज के नैदानिक पहलुओं पर ज्ञानवर्धन होगा।

डॉ. एस सदीश कुमार ने सभी डेलिगेट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कॉन्फ्रेंस ड्रग्स डिस्कवरी और डवलपमेन्ट को जोड़ने का कार्य करेगी तथा ड्रग्स डिजाइन के क्षेत्र मे छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करेगी। उद्घाटन सत्र के दौरान प्रो. राजीव दहिया, चिकित्सा विज्ञान संकाय, वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय, सेंट ऑगस्टीन, ट्रिनिडाड और टोबैगो ने बताया कि

साइक्लो पैपटाइड को एंटिकैंसर, एंटिमलेरिया, एंटीबैक्टीरियल, एंटिवाइरल के रूप में प्रयोग कर सकते है तथा यह शिक्षा अनुसंधान व फार्मास्यूटिकल कंपनियों के लिए एक आकर्षक क्षेत्र है। डॉ. सिमोन फे वालकॉट, सह-संयोजक एवं उपाध्यक्ष, एपीपी वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य फार्मास्यूटिकल के क्षेत्र मे भारत व कैरिबियन देशों के मध्य शैक्षिक व औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करना है।

प्रो. अजय शर्मा, फामाकोग्नॉसी और फाइटोकेमेस्ट्री विभाग, फार्मास्युटिकल साइंसेज स्कूल, दिल्ली फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली ने औषधीय पौधों के पदार्थो की गुणवत्ता नियंत्रण व मानकीकरण के बारे में बताया तथा उन्होंने कहा कि हर्बल तकनीक पारंपरिक औषधियों व आधुनिक फार्मास्यूटिकल के मध्य एक पुल की भांति कार्य करता है। आज पूरे संसार को हर्बल उत्पादों को स्वीकार करने की जरूरत है। प्रो. ज्योति श्रीवास्तव, फामेर्सी संकाय, स्वास्थ्य देखभाल और संबद्ध विज्ञान स्कूल, जी.डी. गोयनका विश्वविद्यालय, सोहना, गुरुग्राम, हरियाणा ने एएसएमआर का अल्जाइमर, न्यूरोट्रांसमीटर डिसऑर्डर पर पडने वाले प्रभाव के बारे में बताया। इस सम्मेलन में देश - विदेश जैसे इथोपिया, वेस्ट इंडीज - कैरिबियन देशों के 900 से अधिक छात्रों व डेलीगेट्स ने भाग लिया।

आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया

सुनहरा संसार वन्दना जोशी
संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर में कॉलेज ऑफ फामेर्सी प्रोफेशनल्स एसोसिएशन, दिल्ली, एन0 सी0 टी0 शाखा, ए0 पी0 पी0 वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा तथा ए0 पी0 पी0 फार्मा एण्ड हैल्थकेयर मैनेजमेंट डिवीजन के सहयोग से ह्यह्यड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में रुझान और चुनोतियॉह्यह्य नामक शीर्षक पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथिगण और सुरेन्द्र सूद डारेक्टर- पी0 आर0, आई0 टी0 एस-दि एजुकेशन ग्रुप, डॉ0 एस0 सदीश कुमार निदेशक, डॉ0 राजकुमारी डीन, आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। डॉ0 एस0 सूद ने कहा कि इस कार्यक्रम मे छात्रों को दवा डिजाइन और खोज के नैदानिक पहलुओं पर ज्ञानवर्धन होगा। डॉ0 एस0 सदीश कुमार ने सभी डेलिगेट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कॉन्फ्रेंस ड्रग्स डिस्कवरी और डवलपमेन्ट को जोड़ने का कार्य करेगी तथा ड्रग्स डिजाइन के क्षेत्र मे छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करेगी। उद्घाटन सत्र के दौरान प्रो0 राजीव दहिया, चिकित्सा विज्ञान संकाय, वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय, सेंट ऑगस्टीन, ट्रिनिडाड और टोबैगो ने बताया कि साइक्लो पैपटाइड को एंटिकैंसर, एंटिमलेरिया, एंटीबैक्टीरियल, एंटिवाइरल के रूप में प्रयोग कर सकते है तथा यह शिक्षा अनुसंधान व फार्मास्यूटिकल कंपनियों के लिए एक आकर्षक क्षेत्र है। डॉ. सिमोन फे वालकॉट, सह-संयोजक एवं उपाध्यक्ष, एपीपी वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य फार्मास्यूटिकल के क्षेत्र मे भारत व कैरिबियन देशों के मध्य शैक्षिक व औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करना है। प्रो0 अजय शर्मा, फामाकोग्नॉसी और फाइटोकेमेस्ट्री विभाग, फार्मास्युटिकल साइंसेज स्कूल, दिल्ली फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली ने औषधीय पौधों के पदार्थो की गुणवत्ता नियंत्रण व मानकीकरण के बारे में बताया तथा उन्होंने कहा कि हर्बल तकनीक पारंपरिक औषधियों व आधुनिक फार्मास्यूटिकल के मध्य एक पुल की भांति कार्य करता है। आज पूरे संसार को हर्बल उत्पादों को स्वीकार करने की जरूरत है।

प्रो0 ज्योति श्रीवास्तव, फामेर्सी संकाय, स्वास्थ्य देखभाल और संबद्ध विज्ञान स्कूल, जी.डी. गोयनका विश्वविद्यालय, सोहना, गुरुग्राम, हरियाणा ने ए0 एस0 एम0 आर0 का अल्जाइमर, न्यूरोट्रांसमीटर डिसऑर्डर पर पडने वाले प्रभाव के बारे में बताया। इस सम्मेलन में देश - विदेश जैसे इथोपिया, वेस्ट इंडीज - कैरिबियन देशों के 900 से अधिक छात्रों व डेलीगेट्स ने भाग लिया तथा 300 से अधिक रिसर्च पेपर प्रदर्शित हुए। इस अवसर पर डॉ0 आर0 पी0 चढढा, चेयरमैन व अर्पित चढढा, वाइस- चेयरमैन, आई0 टी0 एस-दि एजुकेशन ग्रुप ने कॉन्फ्रेंस मे भाग लेने वाले सभी छात्रों व डेलीगेट्स को उनके अनुसंधान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस से छात्रों व शिक्षकों को ड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में रुझान और चुनौतियों की जानकारी प्राप्त हुई। इस अवसर पर डॉ0 राजकुमारी सभी डेलीगेट्स, वक्ताओं, अतिथियों तथा सभी शिक्षकों के साथ-साथ सेमिनार के संयुक्त कोडिनेटर डॉ0 इति चैहान व डॉ0 सागरिका माझी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर। (नासिर मंसूरी) दिल्ली मेरठ रोड पर असालत नगर के निकट स्थित आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी मुरादनगर में कॉलेज ऑफ फामेर्सी प्रोफेशनल्स एसोसिएशन, दिल्ली, एन.सी.टी. शाखा, ए.पी.पी. वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा तथा ए.पी.पी. फार्मा एण्ड हैल्थकेयर मैनेजमेंट डिवीजन के सहयोग से ह्यह्यड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में रुझान और चुनोतियॉह्यह्य नामक शीर्षक पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथिगण और सुरेन्द्र सूद डारेक्टर-पी.आर, आईटीएस-दि एजुकेशन ग्रुप, डॉकटर एस सदीश कुमार निदेशक, डॉ. राजकुमारी डीन, आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। डॉ0 एस सदीश कुमार ने सभी डेलिगेट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कॉन्फ्रेंस ड्रग्स डिस्कवरी और डवलपमेन्ट को जोड़ने का कार्य करेगी तथा ड्रग्स डिजाइन के क्षेत्र मे छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करेगी। उद्घाटन सत्र के दौरान प्रो0 राजीव दहिया, चिकित्सा विज्ञान संकाय, वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय, सेंट ऑगस्टीन, ट्रिनिडाड और टोबैगो ने बताया कि साइक्लो पैपटाइड को एंटिकैंसर, एंटिमलेरिया, एंटीबैक्टीरियल, एंटिवाइरल के रूप में प्रयोग कर सकते है तथा यह शिक्षा अनुसंधान व फार्मास्यूटिकल कंपनियों के लिए एक आकर्षक क्षेत्र है। डॉ. सिमोन फे वालकॉट, सह-संयोजक एवं उपाध्यक्ष, एपीपी वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य फार्मास्यूटिकल के क्षेत्र मे भारत व कैरिबियन देशों के मध्य शैक्षिक व औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करना है। इस सम्मेलन में देश - विदेश जैसे इथोपिया, वेस्ट इंडीज - कैरिबियन देशों के 900 से अधिक छात्रों व डेलीगेट्स ने भाग लिया तथा 300 से अधिक रिसर्च पेपर प्रदर्शित हुए।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, मुरादनगर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया

■ **स्मार्ट विज़न समाचार**

गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ रोड स्थित आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर में कॉलेज ऑफ फामेर्सी प्रोफेशनल्स एसोसिएशन, दिल्ली, एन0 सी0 टी0 शाखा, ए0 पी0 पी0 वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा तथा ए0 पी0 पी0 फार्मा एण्ड हैल्थकेयर मैनेजमेंट डिवीजन के सहयोग से ह्यह्यड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में रुझान और चुनोतियॉह्यह्य नामक शीर्षक पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथिगण और श्री सुरेन्द्र सूद डारेक्टर- पी0 आर0, आई0 टी0 एस-दि एजुकेशन ग्रुप, डॉ0 एस0 सदीश कुमार निदेशक, डॉ0 राजकुमारी डीन, आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। डॉ0 एस0 सूद ने कहा कि इस कार्यक्रम मे छात्रों को दवा डिजाइन और खोज के नैदानिक पहलुओं पर ज्ञानवर्धन होगा। डॉ0 एस0 सदीश कुमार ने सभी डेलिगेट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कॉन्फ्रेंस ड्रग्स डिस्कवरी और डवलपमेन्ट को जोड़ने का कार्य करेगी तथा ड्रग्स डिजाइन के क्षेत्र मे छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करेगी।

उद्घाटन सत्र के दौरान प्रो0 राजीव दहिया, चिकित्सा विज्ञान संकाय, वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय, सेंट ऑगस्टीन, ट्रिनिडाड और टोबैगो ने बताया कि साइक्लो पैपटाइड को एंटिकैंसर, एंटिमलेरिया, एंटीबैक्टीरियल, एंटिवाइरल के रूप में प्रयोग कर सकते है तथा यह शिक्षा अनुसंधान व फार्मास्यूटिकल कंपनियों के लिए एक आकर्षक क्षेत्र है। डॉ. सिमोन फे वालकॉट, सह-संयोजक एवं उपाध्यक्ष, एपीपी वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य फार्मास्यूटिकल के क्षेत्र मे भारत व कैरिबियन देशों के मध्य शैक्षिक व औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करना है। प्रो0 अजय शर्मा, फामाकीग्नॉसी और फाइटोकेमेस्ट्री विभाग, फार्मास्युटिकल साइंसेज स्कूल, दिल्ली फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली ने औषधीय पौधों के पदार्थो की गुणवत्ता नियंत्रण व मानकीकरण के बारे में बताया तथा उन्होंने कहा कि हर्बल तकनीक पारंपरिक औषधियों व आधुनिक फार्मास्यूटिकल के मध्य एक पुल की भांति कार्य करता है। आज पूरे संसार को हर्बल उत्पादों को स्वीकार करने की जरूरत है। प्रो0 ज्योति श्रीवास्तव, फामेर्सी संकाय, स्वास्थ्य देखभाल और संबद्ध विज्ञान स्कूल, जी.डी. गोयनका विश्वविद्यालय, सोहना, गुरुग्राम, हरियाणा ने ए0 एस0 एम0 आर0 का अल्जाइमर, न्यूरोट्रांसमीटर डिसऑर्डर पर पडने वाले प्रभाव के बारे में बताया। इस सम्मेलन में देश - विदेश जैसे इथोपिया, वेस्ट इंडीज - कैरिबियन देशों के ९०० से अधिक छात्रों व डेलीगेट्स ने भाग लिया तथा 300 से अधिक रिसर्च पेपर प्रदर्शित हुए। इस अवसर पर डॉ0 आर0 पी0 चढढा, चेयरमैन व श्री अर्पित चढढा, वाइस-चेयरमैन, आई0 टी0 एस-दि एजुकेशन ग्रुप ने कॉन्फ्रेंस मे भाग लेने वाले सभी छात्रों व डेलीगेट्स को उनके अनुसंधान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस से छात्रों व शिक्षकों को ड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में रुझान और चुनौतियों की जानकारी प्राप्त हुई। इस अवसर पर डॉ0 राजकुमारी सभी डेलीगेट्स, वक्ताओं, अतिथियों तथा सभी शिक्षकों के साथ-साथ सेमिनार के संयुक्त कोडिनेटर डॉ0 इति चैहान व डॉ0 सागरिका माझी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

● जर्नी ऑफ सक्सेस

मुरादनगर। नगर क्षेत्र में स्थित आई.टी. एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी में कॉलेज ऑफ फामेर्सी प्रोफेशनल्स एसोसिएशन, दिल्ली, एन.सी.टी.शाखा, ए. पी.पी. वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा तथा ए.पी.पी.फार्मा एण्ड हैल्थकेयर मैनेजमेंट डिवीजन के सहयोग से ड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में रुझान और चुनोतियॉ नामक शीर्षक पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथिगण और सुरेन्द्र सूद डारेक्टर पी.आर., आई.टी.एस दि एजुकेशन ग्रुप, डॉ. एस. सदीश कुमार निदेशक, डॉ.राजकुमारी डीन, आई.टी. एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया

गया। डॉ. एस. सूद ने कहा कि इस कार्यक्रम मे छात्रों को दवा डिजाइन और खोज के नैदानिक पहलुओं पर ज्ञानवर्धन होगा। डॉ.एस. सदीश कुमार ने सभी डेलिगेट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कॉन्फ्रेंस ड्रग्स डिस्कवरी और डवलपमेन्ट को जोड़ने का कार्य करेगी तथा ड्रग्स डिजाइन के क्षेत्र मे छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करेगी। उद्घाटन सत्र के दौरान प्रो. राजीव दहिया, चिकित्सा विज्ञान संकाय, वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय, सेंट ऑगस्टीन, ट्रिनिडाड और टोबैगो ने बताया कि साइक्लो पैपटाइड को एंटिकैंसर, एंटिमलेरिया, एंटीबैक्टीरियल, एंटिवाइरल के रूप में प्रयोग कर सकते है तथा यह शिक्षा अनुसंधान व फार्मास्यूटिकल कंपनियों के लिए एक आकर्षक क्षेत्र है। डॉ. सिमोन फे वालकॉट, सह-संयोजक एवं उपाध्यक्ष, एपीपी वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य फार्मास्यूटिकल के क्षेत्र मे भारत व कैरिबियन देशों के मध्य शैक्षिक व औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करना है। प्रो.अजय शर्मा, फामाकोग्नॉसी और फाइटोकेमेस्ट्री विभाग, फार्मास्युटिकल साइंसेज स्कूल, दिल्ली फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली ने औषधीय पौधों के पदार्थो की गुणवत्ता नियंत्रण व मानकीकरण के बारे में बताया तथा उन्होंने कहा कि हर्बल तकनीक पारंपरिक औषधियों व आधुनिक फार्मास्यूटिकल के मध्य एक पुल की भांति कार्य करता है। आज पूरे संसार को हर्बल उत्पादों को स्वीकार करने की जरूरत है। प्रो. ज्योति श्रीवास्तव, फामेर्सी संकाय, स्वास्थ्य देखभाल और संबद्ध विज्ञान स्कूल, जी.डी. गोयनका विश्वविद्यालय, सोहना, गुरुग्राम, हरियाणा ने ए.एस.एम. आर का अल्जाइमर, न्यूरोट्रांसमीटर डिसऑर्डर पर पडने वाले प्रभाव के बारे में बताया।इस सम्मेलन में देश - विदेश जैसे इथोपिया, वेस्ट इंडीज - कैरिबियन देशों के 900 से अधिक छात्रों व डेलीगेट्स ने भाग लिया तथा 300 से अधिक रिसर्च पेपर प्रदर्शित हुए। इस अवसर पर डॉ.आर.पी.चढढा, चेयरमैन व अर्पित चढढा, वाइस-चेयरमैन, आई.टी. एस दि एजुकेशन ग्रुप ने कॉन्फ्रेंस मे भाग लेने वाले सभी छात्रों व डेलीगेट्स को उनके अनुसंधान के लिए बधाई दी।

उन्होंने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस से छात्रों व शिक्षकों को ड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में रुझान और चुनौतियों की जानकारी प्राप्त हुई। इस अवसर पर डॉ. राजकुमारी सभी डेलीगेट्स, वक्ताओं, अतिथियों तथा सभी शिक्षकों के साथ-साथ सेमिनार के संयुक्त कोडिनेटर डॉ. इति चैहान व डॉ. सागरिका माझी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मुरादनगर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया

कार्यक्रम

- डा. एस. सूद ने कहा कि इस कार्यक्रम मे छात्रों को दवा डिजाइन और खोज के नैदानिक पहलुओं पर ज्ञानवर्धन होगा
- आज पूरे संसार को हर्बल उत्पादों को स्वीकार करने की जरूरत है

अमर उजाला ब्यूरो

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मुरादनगर में कॉलेज ऑफ फार्मेसी प्रोफेशनल्स एसोसिएशन दिल्ली एनसीटी शाखा, एपीपी वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा तथा एपीपी फार्मा एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट डिवीजन के सहयोग से 'ड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साईसेज में रुझान और चुनौतियां' नामक शीर्षक पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथिगण और सुरेन्द्र सूद डायरेक्टर पीआर, आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप डा. एस. सदीश कुमार, निदेशक, डॉ० राजकुमारी डीन, आई० टी० एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। डा. एस. सूद ने कहा कि इस कार्यक्रम मे छात्रों को दवा डिजाइन और खोज के नैदानिक पहलुओं पर ज्ञानवर्धन होगा।

डा. एस. सदीश कुमार ने सभी डेलिगेट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कॉन्फ्रेंस ड्रग्स डिस्कवरी और डवलपमेन्ट को जोड़ने का कार्य करेगी तथा ड्रग्स डिजाइन के क्षेत्र मे छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करेगी।

उद्घाटन सत्र के दौरान प्रो. राजीव दहिया, चिकित्सा विज्ञान संकाय, वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय, सेंट ऑगस्टीन, ट्रिनिडाड और टोबैगो ने बताया कि साइक्लो पैपटाइड को एंटिकैंसर, एंटिमलेरिया, एंटीबैक्टीरियल, एंटिवाइरल के रूप में प्रयोग कर सकते है तथा यह शिक्षा अनुसंधान व फार्मास्यूटिकल कंपनियों के लिए एक आकर्षक क्षेत्र है।

डॉ. सिमोन फे वालकॉट, सह-संयोजक एवं उपाध्यक्ष, एपीपी वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य फार्मास्यूटिकल के क्षेत्र मे भारत व कैरिबियन देशों के मध्य शैक्षिक व औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करना है। प्रो. अजय शर्मा, फामाकोग्नॉसी और फाइटोकेमेस्ट्री विभाग, फार्मास्युटिकल साईसेज स्कूल, दिल्ली फार्मास्युटिकल साईसेज एंड रिसर्च युनिवर्सिटी, नई दिल्ली ने औषधीय पौधों के पदार्थो की गुणवत्ता नियंत्रण व मानकीकरण के बारे में बताया तथा उन्होंने कहा कि हर्बल तकनीक पारंपरिक औषधियों व आधुनिक फार्मास्यूटिकल के मध्य एक पुल की भांति कार्य करता है। आज पूरे संसार को हर्बल उत्पादों को स्वीकार करने की जरूरत है।

प्रो. ज्योति श्रीवास्तव, फार्मेसी संकाय, स्वास्थ्य देखभाल और संबद्ध विज्ञान स्कूल, जीडी गोयनका विश्वविद्यालय सोहना, गुरुग्राम, हरियाणा ने एएसएमआर का अल्जाइमर, न्यूरोट्रांसमीटर डिसऑर्डर पर पडने वाले प्रभाव के बारे में बताया। इस सम्मेलन में देश - विदेश जैसे इथोपिया, वेस्ट इंडीज- कैरिबियन देशों के 900 से अधिक छात्रों व डेलीगेट्स ने भाग लिया तथा 300 से अधिक रिसर्च पेपर प्रदर्शित हुए।

इस अवसर पर डा. आरपी चड्ढा चेयरमैन व अर्पित चड्ढा वाइस-चेयरमैन आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप ने कॉन्फ्रेंस मे भाग लेने वाले सभी छात्रों व डेलीगेट्स को उनके अनुसंधान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस से छात्रों व शिक्षकों को ड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साईसेज में रुझान और चुनौतियों की जानकारी प्राप्त हुई। इस अवसर पर डा. राजकुमारी सभी डेलीगेट्स, वक्ताओं, अतिथियों तथा सभी शिक्षकों के साथ-साथ सेमिनार के संयुक्त कोर्डिनेटर डा. इति चौहान व डा. सागरिका माझी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आई.टी.एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

जन सागर टुडे (सं)

मुरादनगर। आई.टी.एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुरादनगर में कॉलेज ऑफ फार्मेसी प्रोफेशनल्स एसोसिएशन, दिल्ली, एन.सी.टी. शाखा, ए.पी.पी. वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा तथा ए.पी.पी. फार्मा एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट डिवीजन के सहयोग से ड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में रुझान और चुनौतियाँ नामक शीर्षक पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथिगण और सुरेन्द्र सूद डारेक्टर- पी.आर., आई. टी. एस- दि एजुकेशन ग्रुप, डॉ. एस. सदीश कुमार निदेशक, डॉ. राजकुमारी डीन, आई. टी. एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया।

डॉ. एस. सूद ने कहा कि इस कार्यक्रम मे छात्रों को दवा डिजाइन और खोज के नैदानिक पहलुओं पर ज्ञानवर्धन होगा।

डॉ. एस. सदीश कुमार ने सभी डेलिगेट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कॉन्फ्रेंस ड्रग्स डिस्कवरी और डवलपमेन्ट को जोड़ने का कार्य करेगी तथा ड्रग्स डिजाइन के क्षेत्र मे छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करेगी।

उद्घाटन सत्र के दौरान प्रो. राजीव दहिया, चिकित्सा विज्ञान संकाय, वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय, सेंट ऑगस्टीन, ट्रिनिडाड और टोबैगो ने बताया कि साइक्लो पैपटाइड को एंटिकैंसर, एंटिमलेरिया, एंटीबैक्टीरियल, एंटिवाइरल के रूप में प्रयोग कर सकते है तथा यह शिक्षा अनुसंधान व फार्मास्यूटिकल कंपनियों के लिए एक आकर्षक क्षेत्र है।

डॉ. सिमोन फे वालकॉट, सह-संयोजक एवं उपाध्यक्ष, एपीपी वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य फार्मास्यूटिकल के क्षेत्र मे भारत व कैरिबियन देशों के मध्य शैक्षिक व औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करना है।

प्रो. अजय शर्मा, फामाकोग्नॉसी और फाइटोकेमेस्ट्री विभाग, फार्मास्युटिकल साइंसेज स्कूल, दिल्ली फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली ने औषधीय पौधों के पदार्थो की गुणवत्ता नियंत्रण व मानकीकरण के बारे में बताया तथा उन्होंने कहा कि हर्बल तकनीक पारंपरिक औषधियों व आधुनिक फार्मास्यूटिकल के मध्य एक पुल की भांति कार्य करता है। आज पूरे संसार को हर्बल उत्पादों को स्वीकार करने की जरूरत है।

प्रो. ज्योति श्रीवास्तव, फामेर्सी संकाय, स्वास्थ्य देखभाल और संबद्ध विज्ञान स्कूल, जी.डी. गोयनका विश्वविद्यालय, सोहना, गुरुग्राम, हरियाणा ने ए. एस. एम. आर. का अल्जाइमर, न्यूरोट्रांसमीटर डिसऑर्डर पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बताया।

इस सम्मेलन में देश - विदेश जैसे इथोपिया, वेस्ट इंडीज - कैरिबियन देशों के 900 से अधिक छात्रों व डेलीगेट्स ने भाग लिया तथा 300 से अधिक रिसर्च पेपर प्रदर्शित हुए।

इस अवसर पर डॉ. आर. पी. चड्ढा, चेयरमैन व अर्पित चड्ढा, वाइस-चेयरमैन, आई. टी. एस-दि एजुकेशन ग्रुप ने कॉन्फ्रेंस मे भाग लेने वाले सभी छात्रों व डेलीगेट्स को उनके अनुसंधान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस से छात्रों व शिक्षकों को ड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में रुझान और चुनौतियों की जानकारी प्राप्त हुई।

इस अवसर पर डॉ. राजकुमारी सभी डेलीगेट्स, वक्ताओं, अतिथियों तथा सभी शिक्षकों के साथ-साथ सेमिनार के संयुक्त कोडिनेटर डॉ. इति चौहान व डॉ. सागरिका माझी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आई टी एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया

कृष्ण उजाला संवाददाता

मुरादनगर आई टी एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर में कॉलेज ऑफ फामेर्सी प्रोफेशनल्स एसोसिएशन, दिल्ली, एन0 सी0 टी0 शाखा, ए0 पी0 पी0 वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा तथा ए0 पी0 पी0 फार्मा एण्ड हैल्थकेयर मैनेजमेंट डिवीजन के सहयोग से ह्यह्यड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में रुझान और चुनोतियॉह्यह्य नामक शीर्षक पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथिगण और श्री सुरेन्द्र सूद डारेक्टर- पी0 आर0, आई0 टी0 एस- दि एजुकेशन ग्रुप, डॉ0 एस0 सदीश कुमार निदेशक, डॉ0 राजकुमारी डीन, आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। डॉ0 एस0 सूद ने कहा कि इस कार्यक्रम मे छात्रों को दवा डिजाइन और खोज के नैदानिक पहलुओं पर ज्ञानवर्धन होगा।

डॉ0 एस0 सदीश कुमार ने सभी डेलिगेट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कॉन्फ्रेंस ड्रग्स डिस्कवरी और डवलपमेन्ट को जोड़ने का कार्य करेगी तथा ड्रग्स डिजाइन के क्षेत्र मे छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करेगी। उद्घाटन सत्र के दौरान प्रो0 राजीव दहिया, चिकित्सा विज्ञान संकाय, वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय, सेंट ऑगस्टीन, ट्रिनिडाड और टोबैगो ने बताया कि साइक्लो पैपटाइड को एंटि कैंसर, एंटिमलेरिया, एंटीबैक्टीरियल, एंटिवाइरल के रूप में प्रयोग कर सकते है तथा यह शिक्षा अनुसंधान व फार्मास्यूटिकल कंपनियों के लिए एक आकर्षक क्षेत्र है। डॉ. सिमोन फे वालकॉट, सह-संयोजक एवं उपाध्यक्ष, एपीपी वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य फार्मास्यूटिकल के क्षेत्र मे भारत व कैरिबियन देशों के मध्य शैक्षिक व औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करना है। प्रो0 अजय शर्मा, फामाकोग्नॉसी और फाइटोकेमेस्ट्री विभाग, फार्मास्युटिकल साइंसेज स्कूल, दिल्ली फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली ने औषधीय पौधों के पदार्थो की गुणवत्ता नियंत्रण व मानकीकरण के बारे में बताया तथा उन्होंने कहा कि हर्बल तकनीक पारंपरिक औषधियों व आधुनिक फार्मास्यूटिकल के मध्य एक पुल की भांति कार्य करता है। आज पूरे संसार को हर्बल उत्पादों को स्वीकार करने की जरूरत है। प्रो0 ज्योति श्रीवास्तव, फामेर्सी संकाय, स्वास्थ्य देखभाल और संबद्ध विज्ञान स्कूल, जी.डी. गोयनका विश्वविद्यालय, सोहना, गुरुग्राम, हरियाणा ने ए0 एस0 एम0 आर0 का अल्जाइमर, न्यूरोट्रांसमीटर डिसऑर्डर पर पडने वाले प्रभाव के बारे में बताया। इस सम्मेलन में देश - विदेश जैसे इथोपिया, वेस्ट इंडीज - कैरिबियन देशों के 900 से अधिक छात्रों व डेलीगेट्स ने भाग लिया तथा 300 से अधिक रिसर्च पेपर प्रदर्शित हुए।

इस अवसर पर डॉ0 आर0 पी0 चढढा, चेयरमैन व श्री अर्पित चढढा, वाइस-चेयरमैन, आई0 टी0 एस-दि एजुकेशन ग्रुप ने कॉन्फ्रेंस मे भाग लेने वाले सभी छात्रों व डेलीगेट्स को उनके अनुसंधान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस से छात्रों व शिक्षकों को ड्रग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में रुझान और चुनौतियों की जानकारी प्राप्त हुई। इस अवसर पर डॉ0 राजकुमारी सभी डेलीगेट्स, वक्ताओं, अतिथियों तथा सभी शिक्षकों के साथ-साथ सेमिनार के संयुक्त कोडिनेटर डॉ0 इति चैहान व डॉ0 सागरिका माझी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आई0टी0एस0 कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

पहल टुडे

गाजियाबाद आई0टी0एस0 कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर में कॉलेज ऑफ फामेर्सी प्रोफेशनल्स एसोसिएशन, दिल्ली, एन0सी0टी0 शाखा, ए0पी0पी0 वेस्ट इंडीज अंतर्राष्ट्रीय शाखा तथा ए0पी0पी0 फार्मा एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट डिवीजन के सहयोग से ड्ग्स डिजाइन, डिस्कवरी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में रुझान और चुनौतियां नामक शीर्षक पर 15 फरवरी, 2025 को एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। इस सम्मेलन के आयोजन के लिए आई0टी0एस0-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ0 आर0 पी0 चड्ढा एवं वाइस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा ने समस्त अध्यापक गण एवं छात्र-छात्राओं को बधाई दी।